श्री बड़माता के जात देने के नियम

१ जात सुद पक्ष में अच्छे दुगड़िये में ही दी जाती है या विवाह के तुरन्त बाद दी जाती है।

२ जात देने से पूर्व वर-वधु स्नान करके नये वस्त्र धारण करते है। मोड बांधते है, छेडे बांधते है। किसी भी प्रकार का काला वस्त्र या डोर भी अंग पर होना वर्जित है।

३ श्री बडमाताजी की पूजा केसर, कुंमकुंम, पुष्प धुप दीप अक्षत आदि से करें। दो श्रीफल, प्रसाद चढावें।

४ आसका (हवन एवं घूप की राख) अपने साथ ले जा सकते है। जात के रुपये १०१/-ज्यादा से ज्यादा अपनी श्रध्दानुसार) श्री बडमाताजी के भण्डार में डालें या मैनेजर के पास जमा कराकर रसीद प्राप्त करें। रसीद प्राप्त करना आवश्यक है।